"झींगा का प्रग्रहण और किसानों को आनुवंशिक रूप से उन्नत कॉमन कार्प बीज का वितरण" विषय पर किसान परिचर्चा बैठक की रिपोर्ट

भाकृअनुप-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, रोहतक केंद्र ने 26 अक्टूबर 2025 को "झींगा प्रग्रहण और किसानों को आनुवंशिक रूप से उन्नत कॉमन कार्प बीज का वितरण" विषय पर एक किसान परिचर्चा का आयोजन किया। डॉ. मांगी लाल जाट, माननीय सचिव (डीएआरई) और महानिदेशक, आईसीएआर, नई दिल्ली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर, पीनियस वन्नामेई झींगे की फसल का परग्रहण और पी. मोनोडॉन झींगे के पालन की विधि का प्रदर्शन किया गया। माननीय महानिदेशक ने किसानों को आनुवंशिक रूप से चयनित, नमक-सहिष्णु कॉमन कार्प बीज वितरित किए। बाद में, उन्होंने केंद्र की प्रयोगशाला और अन्य सुविधाओं का भी दौरा किया। उन्होंने विकसित किए गए बुनियादी ढांचे और बनाई गई सुविधाओं की सराहना की। उन्होंने केंद्र को साफ-सुथरा रखने के लिए वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने केंद्र को उत्कृष्टता केंद्र में उन्नत करने का सुझाव दिया। माननीय महानिदेशक आईसीएआर ने किसानों और राज्य मत्स्य विभाग के अधिकारियों के साथ भी बातचीत की।

इस एक दिवसीय कार्यक्रम में आईसीएआर के उप महानिदेशक (मत्स्य विज्ञान) डॉ. जयकृष्ण जेना, आईसीएआर के उप महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. राजबीर सिंह, आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के निदेशक (कार्यवाहक) डॉ. एन.पी. साहू और आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के नोडल अधिकारी डॉ. एस. जहागीरदार भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में हरियाणा के मत्स्य विभाग के निदेशक, राजस्थान के मत्स्य विभाग के संयुक्त निदेशक, रोहतक के जिला मत्स्य अधिकारी, राजस्थान के मत्स्य विभाग के सहायक निदेशक और विभिन्न राज्यों के मत्स्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। बैठक में हरियाणा, पंजाब और राजस्थान से आए किसानों ने भाग लिया।

Report on

Interactive Farmers' Meet on "Shrimp Harvest and distribution of Genetically Improved Common carp seed to farmers"

26-10-2025

CIFE Centre, Rohtak

The ICAR–Central Institute of Fisheries Education, Rohtak Centre, organised an Interactive Farmers' Meet on 26th October 2025. Dr Mangi Lal Jat, Hon'ble Secretary (DARE) and Director General, ICAR, New Delhi, was present as the Chief Guest. On this occasion, the harvesting of *Penaeus vannamei* and the Culture of *P. monodon* were demonstrated. The Honourable DG distributed genetically selected, salt-tolerant Common carp seed to the farmers. Later, he also visited the laboratory and the farm facilities of the Centre. He appreciated the infrastructure that had been developed and the farm facilities that had been created. He congratulated the scientists and the staff for keeping the Centre neat and clean. He suggested upgrading the Centre to a Centre of excellence. Hon. DG ICAR also interacted with farmers and the state fisheries department officials. The interactive session provided a valuable platform for farmers to share their field experiences and seek solutions to the practical challenges they face in aquaculture.

Dr Joykrushna Jena, Deputy Director General (Fisheries Science), ICAR, Dr Rajbir Singh, Deputy Director General (Agricultural Extension), ICAR, Dr N.P. Sahu, Director (Acting), ICAR-CIFE, Mumbai, and Dr S. Jahageerdar, Nodal Officer, ICAR-CIFE, Mumbai, were also present during the one-day program. Senior state fisheries department officials, including the Director of the Department of Fisheries, Haryana, the Joint Director of the Department of Fisheries, Rajasthan, the District Fisheries Officer, Rohtak, the Assistant Director of Fisheries, Rajasthan, and representatives from various state fisheries departments, also participated in the event. Farmers from Haryana, Punjab and Rajasthan attended the meeting.